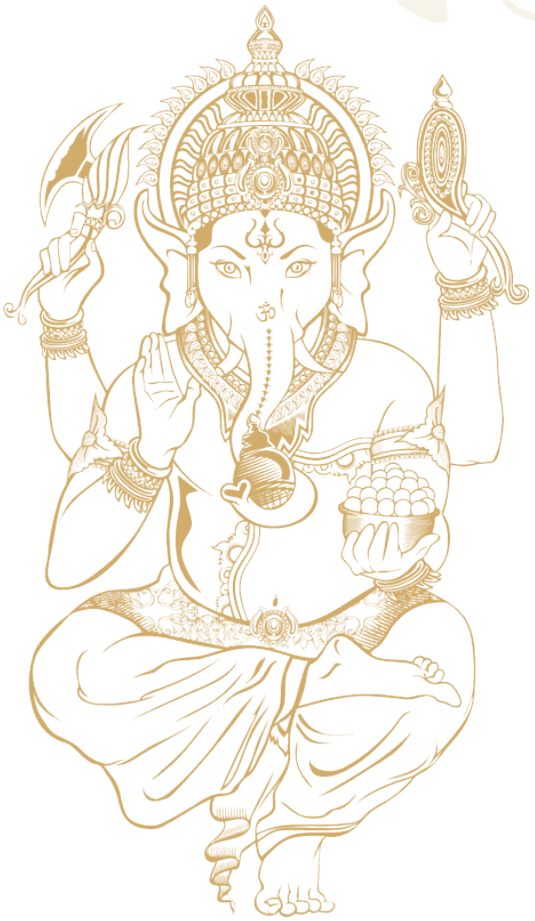

Na

05 Apr 2026

05:30 AM

Jaisalmer

Model: web-freekundliweb

Order No: 121838603

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**4-05/04/2026**
दिन	शनि-रविवार
जन्म समय	**05:30:00 घंटे**
इष्ट	57:18:58 घटी
स्थान	**Jaisalmer**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:52:00 उत्तर
रेखांश	70:55:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:46:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:43:40 घंटे
वेलान्तर	-00:03:01 घंटे
साम्पातिक काल	17:36:55 घंटे
सूर्योदय	06:34:24 घंटे
सूर्यास्त	19:04:46 घंटे
दिनमान	12:30:22 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	20:59:37 मीन
लग्न के अंश	27:43:47 कुम्भ

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कुम्भ - शनि
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 2**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	वज्र
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	तू-तुकाराम
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कुंभ	27:43:47	501:39:57	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	---
सूर्य			मीन	20:59:37	00:59:05	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			तुला	23:59:30	12:05:14	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	सम राशि
मंगल		अ	मीन	02:01:07	00:46:51	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	मित्र राशि
बुध			कुंभ	23:15:25	01:02:26	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	सम राशि
गुरु			मिथु	21:50:20	00:04:35	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	12:20:09	01:13:43	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	सम राशि
शनि		अ	मीन	11:49:07	00:07:26	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:11:32	00:06:32	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:11:32	00:06:32	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	04:42:49	00:02:44	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	08:07:41	00:02:14	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	---
प्लूटो			मक	11:03:07	00:00:52	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			धनु	00:28:40	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:32

लग्न-चलित

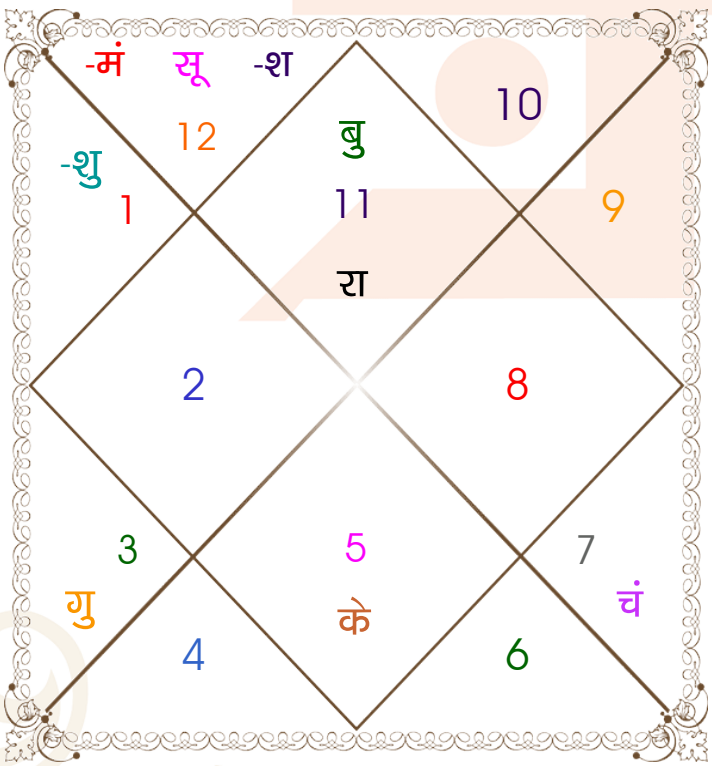

चन्द्र कुंडली

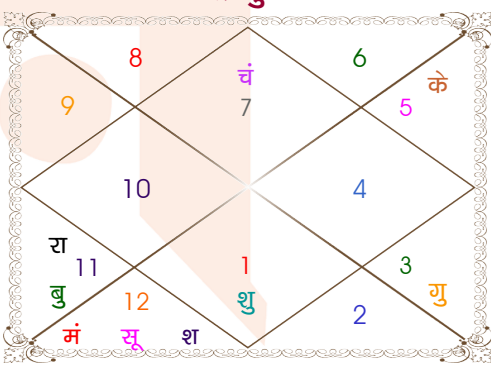

नवमांश कुंडली

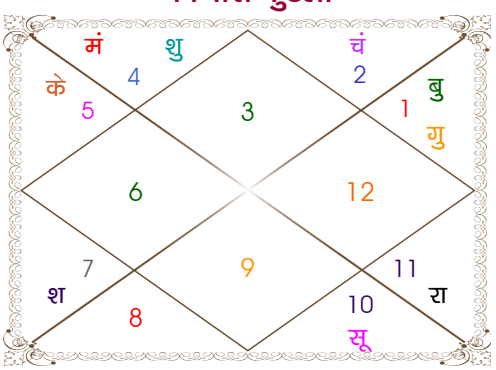

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 11 वर्ष 2 मास 15 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
05/04/2026		20/06/2037		20/06/2056		20/06/2073		20/06/2080	
20/06/2037		20/06/2056		20/06/2073		20/06/2080		21/06/2100	
	00/00/0000	शनि	23/06/2040	बुध	17/11/2058	केतु	16/11/2073	शुक्र	20/10/2083
	05/04/2026	बुध	03/03/2043	केतु	14/11/2059	शुक्र	16/01/2075	सूर्य	20/10/2084
बुध	27/05/2028	केतु	11/04/2044	शुक्र	14/09/2062	सूर्य	24/05/2075	चंद्र	20/06/2086
केतु	02/05/2029	शुक्र	12/06/2047	सूर्य	21/07/2063	चंद्र	23/12/2075	मंगल	21/08/2087
शुक्र	01/01/2032	सूर्य	23/05/2048	चंद्र	20/12/2064	मंगल	20/05/2076	राहु	20/08/2090
सूर्य	20/10/2032	चंद्र	23/12/2049	मंगल	17/12/2065	राहु	08/06/2077	गुरु	20/04/2093
चंद्र	19/02/2034	मंगल	01/02/2051	राहु	05/07/2068	गुरु	15/05/2078	शनि	20/06/2096
मंगल	26/01/2035	राहु	08/12/2053	गुरु	11/10/2070	शनि	24/06/2079	बुध	21/04/2099
राहु	20/06/2037	गुरु	20/06/2056	शनि	20/06/2073	बुध	20/06/2080	केतु	21/06/2100

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
21/06/2100		21/06/2106		21/06/2116		22/06/2123		21/06/2141	
21/06/2106		21/06/2116		22/06/2123		21/06/2141		00/00/0000	
सूर्य	08/10/2100	चंद्र	22/04/2107	मंगल	17/11/2116	राहु	04/03/2126	गुरु	09/08/2143
चंद्र	09/04/2101	मंगल	21/11/2107	राहु	06/12/2117	गुरु	27/07/2128	शनि	20/02/2146
मंगल	15/08/2101	राहु	22/05/2109	गुरु	11/11/2118	शनि	03/06/2131	बुध	06/04/2146
राहु	10/07/2102	गुरु	21/09/2110	शनि	21/12/2119	बुध	21/12/2133		00/00/0000
गुरु	28/04/2103	शनि	21/04/2112	बुध	17/12/2120	केतु	08/01/2135		00/00/0000
शनि	09/04/2104	बुध	20/09/2113	केतु	16/05/2121	शुक्र	08/01/2138		00/00/0000
बुध	13/02/2105	केतु	22/04/2114	शुक्र	16/07/2122	सूर्य	03/12/2138		00/00/0000
केतु	21/06/2105	शुक्र	21/12/2115	सूर्य	21/11/2122	चंद्र	03/06/2140		00/00/0000
शुक्र	21/06/2106	सूर्य	21/06/2116	चंद्र	22/06/2123	मंगल	21/06/2141		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 11 वर्ष 2 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र के तृतीय चरण में कुंभ लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन का नवमांश एवं तुला राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इस लग्नादिक समन्वय स्थिति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपके जीवन का प्रारूप चमत्कृत नियमावली में अंकित है। आपका जीवन गप-शप एवं सुखद वातावरण में व्यतीत होगा तथा आप पर्याप्त धन-दौलत से युक्त संपन्न एवं आपका घर-परिवार प्रसन्न रहेंगे।

आप धनोपार्जन के कलाकार एवं मास्टर हैं। आप दूसरे के साथ उदार भावनाओं से युक्त सहायता करने वाले हैं। आप शीघ्रता पूर्वक पर्याप्त मात्रा में धनोपार्जन कर उसे सुरक्षित कर सकेंगे। आप निश्चित रूप से आलसी नहीं है। आप महत्वपूर्ण विषयों का गहनतापूर्वक अध्ययन कर उस कार्यक्रम को विकसित करने के प्रति रूचिवान रहेंगे। आप धर्म दर्शन शास्त्र का सदैव अध्ययन कर सकेंगे। आपके लिए कार्य-व्यवसायों में अनुकूल धार्मिक एवं दार्शनिक कार्य, ज्योतिषीय कार्य, भाषा ज्ञान का कार्य शैक्षणिक कार्य एवं राजनीति के कार्य लाभदायक पथ हैं। आप इन चिह्नित कार्य-व्यवसायों में से कोई भी कार्य व्यवसायों का चयन कर सकते हैं।

आप वास्तव में उच्च स्तरीय विषयों पर चिंतन करने से दिलचस्पी रखते हो। आप मृत्यु के पश्चात जीवन की क्या गति होती है। इसके संबंध में ज्ञान प्राप्त करना चाहते हो। आप यदा-कदा ऐसा सोचते है कि सभी कुछ को त्याग कर जीवन दर्शन का ध्यान साधना करें।

अन्यथा आप अपने कार्य व्यवसाय के संबंध में अत्यंत व्यस्त रहने वाले व्यवस्थित प्राणी हैं। आप भीड़-भाड़ से बच कर सिर के बल सर्वप्रथम प्रमुख विषयों का अध्ययन कर अपनी कार्य योजना को विकसित करने की कार्य शैली पर विचार करते हो। दूसरी बात यह है कि आप अपने पक्ष में उत्कृष्ट पहुंच प्राप्त करने के लिए सामर्थ्यवान है। आप विधि पूर्वक किसी भी कार्य को संपन्न करने हेतु सक्षम प्राणी हैं।

परंतु आपके सभी समर्पित कार्य विश्वसनीयता के माध्यम से संचालित होता है। बल्कि आप धनोपार्जन हेतु कोई गलत ढंग मार्ग या पहुंच नहीं चाहते। आप दूसरों के माध्यम से उपर्युक्त विषयों के संबंध में (खुलम खुल्ला) प्रत्यक्ष रूप से अव्यवस्थित मूल्यांकन करना नहीं चाहते। आपसे संबंधित कुछ मित्र विजय श्री प्राप्त करना चाहते हैं। परंतु आपको सतर्क रहना चाहिए। आप अत्यंत सावधान रह कर, अपने निकट संबंधियों का ध्यान रखें, क्योंकि कुछ लोग आपकी योजना के प्रति धोखा-धड़ी करके आपकी सफलता को अवरूद्ध कर स्वयं आगे निकल जाएं।

जहां तक आपके समक्ष स्वास्थ्य से संबंधित समस्याएं बिल्कुल ठीक है। परंतु आयु की वृद्धि के साथ-साथ कतिपय रोगादि सामान्य कुप्रभाव डाल सकते हैं, जिसके आधार पर आपको अधिक चिंताग्रस्त बना सकता है। अतः आप रक्तचाप, मिरगी, जॉनडिस, ट्यूमर आदि रोगों के प्रति समय-समय पर अपने चिकित्सक से विचार-विमर्श करना उत्तम होगा। आपके उत्तम घरेलू वातावरण के प्रभाव से भी आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आप अपने गृहस्थाश्रम के

संबंध में भाग्यशाली हैं, क्योंकि आपके जीवन में बुद्धिमती पत्नी एवं समझदार पुत्र आपके आनंददायक जीवन में सहायक होंगे।

ऐसा संदेह है कि आप प्रतिष्ठित व्यक्ति हैं अथवा नहीं? आप एक अत्यंत समृद्धिशाली व्यक्ति के समान धनी हो जाओगे। परंतु कुछ समय के बाद आप आवश्यकता के अनुरूप अपने को बना लेंगे। आप में एक परिश्रमी कार्य कर्त्ता के गुण विद्यमान हैं तथा आप धैर्यपूर्वक किसी कार्य के परिणाम की प्रतीक्षा करते हैं। सब कुछ के बाद आप धन को ही प्राथमिकता नहीं देते तथा निरंतर इसके पीछे नहीं पड़े रहते हैं। परंतु मात्र सांसारिक आवश्यकता हेतु आवश्यक है।

आप सदैव अंक 2, 3, 7 एवं 9 अंक पर भरोसा रख सकते हैं तथा इस अंक की प्रधानता देते हुए इसका व्यवहार अपने जीवन में कर सकते है क्योंकि ये अंक आपके लिए हितकर है। इसके अतिरिक्त अंक 1, 4, 5 एवं 8 अंक आपके लिए अव्यवहारणीय है।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सफेद, लाल, पीला एवं क्रीम रंग है। परंतु नारंगी, नीला एवं हरा रंग आपके लिए प्रतिकूल एवं अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन बुधवार, शनिवार एवं शुक्रवार का दिन लाभदायक है। परंतु शेष सोमवार, मंगलवार एवं रविवार, का दिन अव्यवहारणीय है।